F-11
D.EL.Ed 1st year

MUSIC

लय (LAY)

गायन, वादन और नृत्य में समय की गति को लय कहा जाता है। लय शब्द का साधारण अर्थ गति (Speed) है। संगीत के क्षेत्र में लय के अर्थ के सम्बन्ध में दो मत मिलते है प्रथम मत के अनुसार समय की समान चाल 'लय' है इस मत में लय के अर्थ में समानता को सम्मिलित नही किया जाता क्योंकि ठीक और गलत लय होनो व्यवहृत हैं। जब लय ठीक और गलत होनो हो सकती है तो लय की परिभाषा में समानता का भाव जोड़ना उचित नही है। इस मत को मानने वाले लय को केवल समय की गति मानते है मुख्य लय तीन प्रकार की होती है— विलम्बित, मध्य, तथा द्रुत।

1. विलम्बित लय ⇒ गायन, वादन, नृत्य में जब लय निश्चित करके कभी-कभी बहुत धीमी चाल से होता है और दो मात्राओं का समयान्तर काफी होता है उसे ठाह या विलम्बित लय कहते है। गायन में बड़े ख्याल, ध्रुपद, धमार आदि में सितार-सरोद (सोलो) इसी लय में आरम्भ किया जाता है।

2. मध्य लय ⇒ जिस लय की चाल विलम्बित से तेज और द्रुत से कम हो उसे मध्य लय कहते है। इस गति में छोटे ख्याल व रजाखानी गतें आदि आरम्भ किये जाते है।

3. द्रुत लय ⇒ जिस लय की चाल विलम्बित लय से चौगुनी या मध्य लय से दुगनी हो वह द्रुत लय होती है। छोटे ख्याल, तराने, रजाखानी इसी में समाप्त किय जाते है। इस लय में दो मात्राओ के बीच का समयान्तर अत्यन्त कम हो जाता है

Scanned with CamScanner